उत्तर-माला

हिंदी – कक्षा 6

पाठ 1 – चिर महान

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u>

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (iii) प्रकाश

2. (i) रक्षा

3. (ii) हृदय

4. (iii) रक्षा

(ख) दी गई पंक्तियों को पूरा कीजिए–

1. जिससे जीवन में मिले शक्ति, छूटे भय, संशय, अंध-भक्ति, मैं वह प्रकाश बन सकूँ, नाथ! मिल जावे जिसमें अखिल व्यक्ति।

2. दिशि-दिशि में प्रेम-प्रभा प्रसार, हर भेद-भाव का अंधकार, मैं खोल सकूँ चिर मुँदे, नाथ! मानव के उर के स्वर्ग-द्वार।

(ग) सही मिलान कीजिए–

1. परित्राण. (ii) रक्षा

2. दिशि. (iv) दिशा

3. अखिल. (i) संपूर्ण

4. प्रभा. (iii) प्रकाश

<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>

1. कवि ईश्वर से क्या-क्या वरदान माँग रहा है?

उत्तर : कवि ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उसे ऐसा जीवन मिले जो सौंदर्य, सत्य और प्रेम से पूर्ण हो, जिसमें शक्ति हो, भय-संशय दूर हों और जो मानवता के लिए उपयोगी हो।

2. कवि कैसा प्रकाश बनना चाहता है?

उत्तर : कवि ऐसा प्रकाश बनना चाहता है जो सभी दिशाओं में फैले, भेद-भाव का अंधकार दूर करे और मानव के हृदय में स्वर्ग का द्वार खोल सके।

3. कवि सभी दिशाओं में किसका प्रसार करना चाहता है?

उत्तर : कवि सभी दिशाओं में प्रेम-प्रभा (प्रेम के प्रकाश) का प्रसार करना चाहता है।

4. कवि का 'नव जीवन का विहान' पंक्ति से क्या आशय है?

उत्तर : इस पंक्ति से कवि का आशय है कि वह ईश्वर से अमर दान पाकर मानवता का परित्राण करना चाहता है और विश्व में एक नई सुबह (नव जीवन का सवेरा) लाना चाहता है।

<u>विस्तृत उत्तरीय प्रश्न</u>

पाकर, प्रभु! तुमसे अमर दान, करने मानव का परित्राण... का भावार्थ–

इस पद में कवि सुमित्रानंदन पंत ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें अमर वरदान मिले जिससे वे मानवता की रक्षा कर सकें। वे चाहते हैं कि विश्व में एक बार फिर नए जीवन का सवेरा हो और सभी मानव सुख, शांति एवं प्रेम से रह सकें। कवि की यह भावना उनकी मानवता के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

<u>प्रत्यास्मरण (गद्यांश-आधारित प्रश्न)</u>

1. कवि किससे प्रार्थना कर रहा है?
उत्तर : कवि ईश्वर (नाथ/प्रभु) से प्रार्थना कर रहा है।

2. कवि क्या हरने को कह रहा है?
उत्तर : कवि भेद-भाव का अंधकार हरने को कह रहा है।

3. कवि क्या खोलना चाहता है?
उत्तर : कवि मानव के हृदय (उर) के स्वर्ग-द्वार खोलना चाहता है।

4. 'प्रभा' शब्द का अर्थ बताइए।
उत्तर : 'प्रभा' का अर्थ है — प्रकाश।

<u>भाषा बोध</u>

(क) पर्यायवाची शब्द–

जग. संसार, दुनिया, विश्व
मानव. मनुष्य, इंसान, नर
विहान. सवेरा, प्रभात, उषा
प्रभु. ईश्वर, परमेश्वर, भगवान
प्रेम. प्यार, स्नेह, मोहब्बत

(ख) विलोम शब्द–

मानव. दानव
हित. अहित
प्रकाश. अंधकार
नया. पुराना
प्रेम. घृणा
जीवन. मृत्यु
पहला. आखिरी
समान. असमान

(ग) अनुप्रास अलंकार के उदाहरण–

1. पाकर, प्रभु! तुमसे अमर दान ('प' वर्ण की आवृत्ति)
2. जग-जीवन में जो चिर महान ('ज' वर्ण की आवृत्ति)

पाठ 2 – नया सवेरा

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u>

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (ii) अँधेरा
2. (iii) किरण
3. (i) ईर्ष्या

4. (iii) रोशनी में

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. अरे! डरो मत, मैं हूँ किरण।

2. हम बहुत कुछ चाहते हैं।

3. आकाश में कालिमा घोल देता है।

4. इस आती रोशनी में जी भरकर नहा लेने दो।

(ग) सही मिलान कीजिए–

1. कदली. (iii) केला

2. इंसानियत. (iv) मानवता

3. मौन. (i) चुपचाप

4. भयावहता. (ii) भयानकता

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. प्रकाश कहाँ बैठा था?
उत्तर : प्रकाश अपने अँधेरे कमरे में बैठा था।

2. प्रकाश किस मूड में बैठा था?
उत्तर : प्रकाश उदास और दार्शनिक मूड में बैठा था।

3. प्रस्तुत पाठ में रोशनी कहाँ से आनी थी?
उत्तर : रोशनी भीतर से — मन के अंदर से आनी थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. समाज में फैली कुरीतियों के लिए कौन उत्तरदायी है?
उत्तर : समाज में फैली कुरीतियों के लिए हमारी स्वार्थ प्रवृत्तियाँ, अहम्, ईर्ष्या और भेदभाव उत्तरदायी हैं।

2. किरण कौन-से बंद दरवाज़े खोलने की बात कहती है?
उत्तर : किरण मन के वे बंद दरवाज़े खोलने की बात कहती है जो भेदभाव, संकीर्णता और अज्ञान के कारण बंद हो गए हैं।

3. दरवाज़े और खिड़कियाँ खुल जाने पर प्रकाश का अनुभव बताइए।
उत्तर : दरवाज़े और खिड़कियाँ खुलते ही प्रकाश की आँखें चौंधिया गईं, उसने अनुभव किया कि ताज़ी हवा और रोशनी से जीवन में उत्साह और उमंग आ जाती है और मन के अँधेरे छँट जाते हैं।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. प्रकाश कमरे में बैठा क्या सोच रहा था?
उत्तर : प्रकाश कमरे में घुप्प अँधेरे में बैठा था। वह सोच रहा था कि जीवन में चारों ओर अँधेरा और सन्नाटा है। उसे लग रहा था कि बाहर भी वहशी आकृतियाँ और नकली मुस्काने लिए नफ़रत के राक्षस घूम रहे हैं। वह कहीं भाग जाना चाहता था। उसे जीवन में खोज की जगह घुटन महसूस हो रही थी।

2. किरण किसको मारना चाहती है और क्यों?
उत्तर : किरण उस भेदभाव, ईर्ष्या और अहम् रूपी राक्षस को मारना चाहती है जो इंसानियत को तार-तार करता है। वह चाहती है कि इस राक्षस के मरने के बाद ही इंसानियत की बसूरती कायम रह सके।

3. बादलों को देखकर प्रकाश क्या करना चाहता था?

उत्तर : बादलों को देखकर प्रकाश चाहता था कि वह कोई गीत लिखे, दर्द और बेबसी के क्षणों को शब्दों में ढाले और इन अमलतास की जालियों में बाँध दे। वह प्यासी मिट्टी के अंतर को सींचना चाहता था।

4. आशय स्पष्ट कीजिए — 'चाहता हूँ — प्यासी मिट्टी के अंतर को सींच दूँ।'

उत्तर : इस पंक्ति से प्रकाश का आशय है कि वह उन लोगों के मन को, जो जीवन की सच्ची खुशी और प्रेम से वंचित हैं, अपने लेखन और संवेदना से तृप्त करना चाहता है — ठीक वैसे जैसे बारिश प्यासी धरती को सींचती है।

<u>प्रत्यास्मरण (गद्यांश-आधारित प्रश्न)</u>

1. उपर्युक्त अनुच्छेद में कौन अपने मन की बात कह रहा है?

उत्तर : उपर्युक्त अनुच्छेद में किरण अपने मन की बात कह रही है।

2. आगे बढ़ने पर हमें पीछे कौन खींचता है?

उत्तर : आगे बढ़ने पर हमारा अहम्, ईर्ष्या, संप्रदाय और जाति के नाम पर की जाने वाली संकीर्ण सोच हमें पीछे खींचती है।

3. बुरी प्रवृत्तियों की तुलना किससे की गई है?

उत्तर : बुरी प्रवृत्तियों की तुलना फूलों के आस-पास बुन आती धुँधियाता कोहरे, कदली वन में उगने वाली नागफनी और हृदय में दीवारें खड़ी कर देने वाले अदृश्य जाल से की गई है।

4. 'सीधी-सादी घाटी' किसे कहा गया है?

उत्तर : हृदय की सरल और निष्कपट भावनाओं को 'सीधी-सादी घाटी' कहा गया है।

<u>भाषा बोध</u>

(क) एकवचन रूप–

खिड़कियाँ. → खिड़की

आकृतियाँ. → आकृति

घाटियाँ. → घाटी

जालियाँ. → जाली

प्रवृत्तियाँ. → प्रवृत्ति

खुशियाँ. → खुशी

डालियाँ. → डाली

मान्यताएँ. → मान्यता

(ख) शब्द-युग्म के उदाहरण (जो इस पाठ में न हों)–

पुनरुक्त शब्द-युग्म : धीरे-धीरे, जल्दी-जल्दी, घर-घर, चुपके-चुपके

विपरीतार्थी शब्द-युग्म : सुख-दुख, आना-जाना, अच्छा-बुरा, उठना-बैठना

(ग) वाक्य प्रयोग–

दार्शनिक. महात्मा गाँधी एक महान दार्शनिक व्यक्ति थे।

प्रवृत्तियाँ. हमें बुरी प्रवृत्तियों से दूर रहना चाहिए।

विराट. हिमालय का विराट स्वरूप देखकर मन आनंदित हो उठता है।

निरंतर. हमें निरंतर मेहनत करते रहना चाहिए।

प्रज्ज्वलित. त्योहार पर दीपक प्रज्ज्वलित किए गए।

पाठ 3 – आ रही रवि की सवारी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (ii) तारों की

2. (i) भिखारी

3. (ii) बादलों ने

4. (iii) पक्षी

5. (iii) रुकना

(ख) सही मिलान कीजिए–

1. रवि. (iv) सूर्य

2. स्वर्ण. (iii) सोना

3. विहग. (v) पक्षी

4. सवारी. (ii) झाँकी

5. नव. (i) नया

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. प्रस्तुत कविता में कवि ने किस दृश्य का वर्णन किया है?

उत्तर : प्रस्तुत कविता में कवि हरिवंश राय 'बच्चन' ने सूर्योदय के मनोरम दृश्य का वर्णन किया है जिसमें रवि की सवारी आती है, नव-किरणों का रथ सजता है और प्रकृति में नई ऊर्जा का संचार होता है।

2. रात का राजा भिखारी बनकर क्यों खड़ा है?

उत्तर : रात का राजा अर्थात् चंद्रमा अपना प्रभाव खो देता है क्योंकि सूर्य के उदय होते ही उसकी चाँदनी फीकी पड़ जाती है। वह मार्ग में भिखारी की तरह असहाय खड़ा रह जाता है।

3. पक्षियों का गाना व फौज का भागना हमें क्या बता रहा है?

उत्तर : पक्षियों का कीर्ति-गायन और तारों की फौज का मैदान छोड़कर भागना यह बता रहा है कि रात का अंधकार समाप्त हो गया है और सूर्य का स्वागत हो रहा है।

4. किस पंक्ति से स्पष्ट हो रहा है कि चंद्रमा का सौंदर्य फीका पड़ गया है?

उत्तर : 'चाहता, उछलूँ विजय कह, पर ठिठकता देखकर यह – रात का राजा खड़ा है, राह में बनकर भिखारी' – इस पंक्ति से स्पष्ट होता है कि सूर्य के सामने चंद्रमा का सौंदर्य फीका पड़ गया है।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

'चाहता, उछलूँ विजय कह, पर ठिठकता देखकर यह...' का भावार्थ–

इस पद में कवि कहता है कि वह सूर्योदय की विजय के उल्लास में उछलना चाहता है, परंतु मार्ग में खड़े हुए रात के राजा चंद्रमा को देखकर ठिठक जाता है। चंद्रमा जो रात में राजा था, वही अब सूर्य की रोशनी के समक्ष भिखारी बन गया है। यह पंक्ति दिन और रात की, उजाले और अंधेरे की शाश्वत लड़ाई को दर्शाती है।

प्रत्यास्मरण (पद्यांश-आधारित प्रश्न)

1. किसकी सवारी आ रही है?

उत्तर : रवि (सूर्य) की सवारी आ रही है।

2. रथ किससे सजा है?
उत्तर : रथ नव-किरणों से सजा है।

3. कलियों व फूलों से क्या सजा है?
उत्तर : कलियों व फूलों से मार्ग (पथ) सजा है।

4. अनुचरों ने कैसी पोशाक पहनी है?
उत्तर : अनुचरों (बादलों) ने स्वर्ण (सोने) की पोशाक पहनी है।

भाषा बोध

(क) 'अनु' उपसर्ग जोड़कर नए शब्द–

शासन. → अनुशासन
ग्रह. → अनुग्रह
कूल. → अनुकूल
राग. → अनुराग
उपस्थित. → अनुपस्थित
सार. → अनुसार
मान. → अनुमान
चर. → अनुचर

(ख) उचित विशेषण–

1. अनपढ़ व्यक्ति पशु के समान है।
2. सुगंधित धूपबत्ती से घर महक उठा।
3. भ्रष्ट नेता देश को लूट रहे हैं।
4. इस पुस्तक में सौ पृष्ठ हैं।

(ग) अनुप्रास अलंकार का उदाहरण–

कलि-कुसुम से पथ सजा है — 'क' वर्ण की आवृत्ति।

पाठ 4 – सुभागी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (iii) मेहनती
2. (i) सजन सिंह
3. (i) भैंस
4. (iii) पाँच हज़ार रुपये

(ख) सही/गलत का चिह्न लगाइए–

1. ✗ (रामू बहुत कामचोर था।)
2. ✗ (सजन सिंह सुभागी के पिता नहीं, पड़ोसी/मुखिया थे।)
3. ✓ (तुलसी सुभागी को बहुत प्यार करता था।)
4. ✗ (सुभागी घर का सारा काम खुद करती थी।)
5. ✓ (सुभागी का सारा कर्जा तीन साल में उतर गया।)

(ग) रिक्त स्थान पूर्ति–

1. तुलसी ने रामू और सुभागी दोनों की शादी कर दी।
2. सजन सिंह बड़े सज्जन पुरुष थे।
3. सात-आठ दिन से तुलसी को जोर का ज्वर हुआ।
4. भगवान तुम्हें सदा सुखी रखे।
5. चारों ओर से सुभागी की सगाई के पैग़ाम आने लगे।

<u>अतिलघु उत्तरीय प्रश्न</u>

1. तुलसी महतो के पुत्र व पुत्री का नाम बताइए।

उत्तर : पुत्र – रामू, पुत्री – सुभागी।

2. पूरे गाँव में किसकी तारीफ़ होती थी?

उत्तर : सुभागी की तारीफ़ होती थी।

3. बँटवारा होने से कौन राजी नहीं था?

उत्तर : सुभागी बँटवारा होने से राजी नहीं थी।

4. सुभागी अंत में किसके घर की बहू बनी?

उत्तर : सुभागी सजन सिंह के घर की बहू बनी।

<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>

1. हरिहर ने सुभागी को क्या समझाया?

उत्तर : हरिहर ने सुभागी को समझाया कि माँ-बाप अब बूढ़े हो गए हैं, उनका क्या भरोसा। तुम इस तरह कब तक अकेली बैठी रहोगी? तुम्हारे भले के लिए ही विवाह की बात कर रहे हैं।

2. सुभागी ने भैंस क्यों खरीदी थी?

उत्तर : बूढ़े माता-पिता को दूध-घी की जरूरत थी। सुभागी ने कुछ रुपये बचाकर एक भैंस इसलिए खरीदी ताकि बुजुर्गों को उचित पोषण मिल सके।

3. सुभागी ने अपने पिता की तेरहवीं धूमधाम से क्यों की?

उत्तर : सुभागी यह दिखाना चाहती थी कि एक अबला भी अपने पिता का क्रिया-कर्म भली-भाँति कर सकती है। वह समाज का यह घमंड तोड़ना चाहती थी कि पुत्र के बिना क्रिया-कर्म अधूरा रहता है।

4. सुभागी के विषय में गाँव के लोग क्या कहते थे?

उत्तर : गाँव के लोग कहते थे कि सुभागी लड़की नहीं, देवी है। दो मर्दों का काम अकेले ही करती है, ऊपर से माँ-बाप की सेवा भी। सजन सिंह तो कहते थे – यह किसी जन्म की देवी है।

5. अंतिम समय में तुलसी की माँ की क्या प्रार्थना थी?

उत्तर : अंतिम समय में लक्ष्मी ने सुभागी को आशीर्वाद दिया – तुम्हारी जैसी बेटी पाकर मैं तर गई। मेरी भगवान से यही प्रार्थना है कि अगले जन्म में भी तुम मेरी कोख से ही जन्म लो।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. सुभागी व रामू के स्वभाव में क्या अंतर था?

उत्तर : सुभागी परिश्रमी, कर्तव्यनिष्ठ, स्वाभिमानी और ममतामयी थी। वह पहर रात से उठकर कूटने-पीसने, खेती-बाड़ी, माँ-बाप की सेवा और घर के सभी काम अकेले करती थी। इसके विपरीत रामू बहुत आलसी और कामचोर था। वह परिश्रम से जी चुराता था और उसकी स्त्री भी स्वार्थी थी।

2. माता के देहांत के बाद सुभागी का क्या लक्ष्य था तथा उसने उसे कैसे पूरा किया?

उत्तर : माता के देहांत के बाद सुभागी का एक लक्ष्य था – सजन सिंह का पाँच हज़ार रुपये का कर्ज चुकाना। उसने रात को रात और दिन को दिन नहीं समझा। दिन भर खेती-बाड़ी करती और रात को आटा पीसती। तीन साल तक अदम्य हिम्मत और परिश्रम से वह तीन सौ रुपये प्रतिमाह सजन सिंह को देती रही और अंततः सारा कर्ज उतार दिया।

3. अंतिम समय में तुलसी महतो ने सजन सिंह से क्या कहा?

उत्तर : तुलसी ने कहा – देख लिया आप लोगों ने इसका मिजाज? आप चाहे चार हिस्सों में से तीन हिस्से उसे दे दें, पर अब मैं इस दुष्ट के साथ नहीं रहूँगा। सुभागी के पिता को इस दुनिया में दुःख दिया, अब मैं उसका मुँह नहीं देखना चाहता। लड़की से लड़का भला, जो कुलवंती हो।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश-आधारित प्रश्न)

1. महतो को कितने दिनों से ज्वर चढ़ा हुआ था?

उत्तर : महतो को सात-आठ दिनों से जोर का ज्वर चढ़ा हुआ था।

2. लक्ष्मी क्या कर रही थी?

उत्तर : लक्ष्मी पास बैठी रो रही थी।

3. सुभागी के पानी लाने तक महतो की क्या दशा हुई?

उत्तर : सुभागी के पानी लाने तक महतो के हाथ-पाँव ठंडे हो गए थे।

4. सुभागी किसके पास गई थी?

उत्तर : सुभागी रामू के घर सजन सिंह के पास गई थी।

भाषा बोध

(क) विराम-चिह्नों का प्रयोग–

पूर्ण विराम (.): साधारण कथन वाक्य के अंत में।

प्रश्नवाचक चिह्न (?): प्रश्न वाक्य के अंत में।

विस्मयादिबोधक चिह्न (!): भावना प्रकट करने वाले वाक्य के अंत में।

(ख) मुहावरे–

दो अंगुल ऊँचा होना. – अन्य से श्रेष्ठ समझना : रामू ने एक छोटी-सी सफलता के बाद खुद को दो अंगुल ऊँचा समझ लिया।

किचकिच करना. – बहस करना / झगड़ना : रामू और उसकी स्त्री हर बात पर किचकिच करते रहते थे।

दाँतों तले उँगली दबाना. – आश्चर्यचकित होना : सुभागी की मेहनत देखकर सब दाँतों तले उँगली दबाते थे।

आँखें खुलना. – होश आना / सच्चाई समझना : बँटवारे के बाद रामू की आँखें खुल गईं।

गले का हार बनना. – अत्यंत प्रिय होना : सुभागी तुलसी के गले का हार थी।

(ग) संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण–

संज्ञा. – तुलसी, सुभागी, रामू, निपुण

सर्वनाम. – वह, उसका, जो, वे

विशेषण. – चतुर, बड़ा, कामचोर, आवारा

(घ) लिंग बदलिए–

मालिक → मालकिन. बंदर → बंदरिया

साहू → साहुआइन. भगवान → भगवती

जाट → जाटनी. पुजारी → पुजारिन

लुहार → लुहारिन. मोर → मोरनी

(ङ) उपसर्ग से शब्द–

प्र. – प्रकाश, प्रताप

परा. – पराजय, पराक्रम

दु. – दुर्जन, दुर्भाग्य

नि. – निर्दोष, निर्भय

नि (नि). – निर्णय, निर्माण

आ. – आकर्षण, आजीवन

बे. – बेशर्म, बेकार

(च) वर्ण-विच्छेद–

निपुण. – न् + इ + प् + उ + ण् + अ

मुखिया. – म् + उ + ख् + इ + य् + आ

विश्राम. – व् + इ + श् + र् + आ + म् + अ

उपदेश. – उ + प् + अ + द् + ए + श् + अ

शक्ति. – श् + अ + क् + त् + इ

पाठ 5 – सुभाषचंद्र बोस का पत्र

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (ii) केलकर जी को

2. (i) मधुमेह की

3. (ii) अकेले

4. (i) क्रांतिकारी

(ख) सही मिलान कीजिए–

1. प्रणयन. (iv) रचना

2. सुदीर्घ. (iii) लंबे समय तक

3. स्नेहभाजन. (i) स्नेह का पात्र

4. एकांकी. (ii) अकेले

(ग) रिक्त स्थान पूर्ति–

1. सुभाषचंद्र बोस को मांडले जेल के लिए स्थानांतरण का आदेश मिला था।
2. लोकमान्य तिलक ने गीता-भाष्य ग्रंथ का प्रणयन किया था।
3. लोकमान्य तिलक ने कारावास में छह वर्ष बिताए।
4. लोकमान्य तिलक तक कोई भी अख़बार नहीं पहुँचने दिया जाता था।

<u>अतिलघु उत्तरीय प्रश्न</u>

1. सुभाषचंद्र बोस केलकर जी को किसके बारे में बताना चाहते थे?

उत्तर : वे लोकमान्य तिलक के मांडले जेल के कारावास-काल की कठिनाइयों के बारे में बताना चाहते थे।

2. वार्ड को फेरबदल करके कैसा बनाया गया था?

उत्तर : वार्ड को लकड़ी के तख्तों से बनाया गया था जिसमें गर्मी में लू और धूप से तथा शीत ऋतु में सर्दी से बचाव नहीं होता था।

3. जेल में बंदियों से किसे नहीं मिलने दिया जाता था?

उत्तर : जेल में बंदियों से अन्य बंदियों को मिलने नहीं दिया जाता था।

<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>

1. यह पत्र किसने और किसे लिखा है?

उत्तर : यह पत्र सुभाषचंद्र बोस ने मांडले सेंट्रल जेल से अपर वर्मा में श्री केलकर जी को लिखा है।

2. लोकमान्य तिलक को जेल में किन बीमारियों का सामना करना पड़ा?

उत्तर : लोकमान्य तिलक को जेल में मधुमेह की बीमारी थी। इसके अलावा जेल के कठोर वातावरण और कड़ी जलवायु ने उन्हें शारीरिक रूप से कमजोर कर दिया था।

3. गीता-भाष्य के विषय में सुभाषचंद्र बोस ने क्या कहा है?

उत्तर : सुभाषचंद्र बोस ने कहा कि जेल जैसे प्रतिकूल वातावरण में जहाँ कोई बौद्धिक साथी न हो, वहाँ गीता-भाष्य जैसे विशाल और युग-निर्माणकारी ग्रंथ का प्रणयन करना लोकमान्य तिलक की अदम्य इच्छाशक्ति का प्रमाण है।

<u>विस्तृत उत्तरीय प्रश्न</u>

1. जेल का वातावरण हतोत्साहित करने वाला क्यों था?

उत्तर : जेल में कारावास के दौरान कई कठिनाइयाँ थीं — शारीरिक यंत्रणा, एकाकीपन, बौद्धिक साथी का अभाव, बंदियों से मिलने-जुलने पर प्रतिबंध, अखबार न मिलना और प्रतिकूल जलवायु। ये सब मिलकर आत्मा का हनन करते थे और किसी के लिए भी यहाँ मानसिक संतुलन बनाए रखना अत्यंत कठिन था।

2. पत्र में वार्ड के विषय में क्या बताया गया है?

उत्तर : जिस वार्ड में लोकमान्य तिलक रहते थे वह लकड़ी के तख्तों से बना था। उसमें गर्मी में लू और धूप से, वर्षा में पानी से तथा शीत ऋतु में सर्दी से बचाव नहीं हो पाता था। हमारे अपने वार्ड की तरह वह लकड़ी के तख्तों से बना है। हालाँकि बाद में उसे फेरबदल कर बड़ा बना दिया गया।

3. जेलों को तीर्थस्थान क्यों कहा गया है?

उत्तर : पत्र में कहा गया है कि जेलें मानव के कृतित्व की निशानी हैं। लोकमान्य तिलक जैसे महान देशभक्त यहाँ रहे हैं इसलिए ये जेलें तीर्थस्थान बन गई हैं जहाँ भारत के महानतम सपूत वर्षों तक रहे।

4. आशय स्पष्ट कीजिए — 'लोकमान्य जैसा दाशर्निक ही, जिसे अदम्य इच्छाशक्ति का वरदान मिला था...'
उत्तर : इस वाक्य से लेखक का आशय है कि बंदी-जीवन की शक्ति हननकारी परिस्थितियों में केवल लोकमान्य तिलक जैसा दृढ़-चरित्र दार्शनिक ही मानसिक संतुलन बनाए रख सकता था और गीता-भाष्य जैसा महान ग्रंथ रच सकता था।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश-आधारित प्रश्न)

1. वार्ड किसका बना था?
उत्तर : वार्ड लकड़ी के तख्तों से बना था।

2. वार्ड में किससे बचाव नहीं होता था?
उत्तर : गर्मी में लू और धूप से, वर्षा में पानी से तथा शीत ऋतु में सर्दी से बचाव नहीं होता था।

3. भारत से किसको निष्कासित कर दिया गया था?
उत्तर : भारत से सुभाषचंद्र बोस को निष्कासित कर दिया गया था।

4. भारत का कौन-सा महान सपूत लगातार छह वर्षों तक मांडले जेल में रहा?
उत्तर : भारत के महान सपूत लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक।

भाषा बोध

(क) एकार्थी शब्दों के अर्थ–
ऋण. – उधार / कर्ज
औसत. – सामान्य / मध्यम
जोश. – उत्साह
तवा. – रोटी पकाने का बर्तन
मूढ़. – मूर्ख
गेय. – गाने योग्य
ज्ञात. – जाना हुआ
बर्ताव. – व्यवहार

(ख) वाक्यांश के लिए एक शब्द–
जिसकी आशा न की गई हो. – अप्रत्याशित
बुद्धि से संबंधित. – बौद्धिक
जिसे टाला न जा सके. – अपरिहार्य
जो कभी नष्ट न हो. – अविनाशी
दोपहर का भोजन. – मध्याह्न-भोजन

(ग) विलोम शब्द–
मंद → तीव्र. अनुकूल → प्रतिकूल
आरंभ → अंत. कठोर → कोमल
प्रथम → अंतिम. जीवन → मृत्यु
आंतरिक → बाह्य. सभ्य → असभ्य

(घ) अशुद्ध वाक्य शुद्ध करके लिखिए–

1. इस वार्ड में लोकमान्य तिलक रहे थे, वह अब तक सुरक्षित है।

2. उनकी सांत्वना देने वाली एकमात्र वस्तु किताबें थीं।

3. उनके शारीरिक यंत्रणा के बारे में जितना कम कहा जाए, बेहतर होगा।

4. अपनी आत्मा का ह्रास हुए बिना बंदी-जीवन के प्रति अपने आप को अनुकूल बना पाना आसान काम नहीं है।

पाठ 6 – वृक्ष

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u>

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (i) वनों में

2. (iii) आम का पौधा

3. (ii) हरा सोना

4. (iii) सुखी

(ख) सही मिलान कीजिए–

1. घनिष्ठ. (ii) गहरा

2. वृद्ध. (v) बूढ़ा

3. सुदीर्घकाल. (iv) लंबा समय

4. उद्देश्य. (iii) लक्ष्य

5. स्मरणीय. (i) याद रखने योग्य

(ग) रिक्त स्थान पूर्ति–

1. जल, वायु, पौधे, मिट्टी आदि सभी पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं।

2. गीता में श्रीकृष्ण ने वृक्षों को ईश्वर की विभूति कहकर उसका महत्व स्पष्ट किया है।

3. वन तथा पेड़-पौधे संपूर्ण मानव जाति के लिए धरोहर हैं।

4. पेड़-पौधों को अब हरा सोना कहा जाता है।

5. वृक्ष आँधी-तूफान की तेज गति को नियंत्रित करते हैं।

<u>अतिलघु उत्तरीय प्रश्न</u>

1. मनुष्य अपने जीवन की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किस पर निर्भर है?
उत्तर : पर्यावरण पर।

2. वृद्ध किसान दिखने में कैसा था?
उत्तर : वृद्ध किसान बहुत बूढ़ा और क्षीणकाय (कमज़ोर शरीर वाला) था।

3. पानी के तेज बहाव को रोकने में कौन सहायक है?
उत्तर : वृक्षों की जड़ें पानी के तेज बहाव को रोकने में सहायक हैं।

4. 'एक बच्चा, एक पेड़' कार्यक्रम के अंतर्गत क्या किया जाता है?

उत्तर : बच्चों को फलदार वृक्ष लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. वृद्ध किसान का कथन पूर्णतः सत्य था। क्यों?

उत्तर : वृद्ध किसान ने कहा था कि वह इस वृक्ष के फल नहीं खा सकेगा किंतु आने वाली पीढ़ी को यह वृक्ष धरोहर स्वरूप भेंट करूँगा। यह पूर्णतः सत्य था क्योंकि हजारों वर्षों से मनुष्य की एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी को वन-संपदा सौंपती आई है।

2. वृक्षों की लकड़ी किस काम आती है?

उत्तर : वृक्षों की लकड़ी ईंधन, गृह-निर्माण, मेज-कुर्सी, दरवाजे, खिड़कियाँ, बैलगाड़ी, कृषि उपकरण, खिलौने, खेल की सामग्री, वाद्य-यंत्र, नौकाएँ, खंभे, पुल, काग़ज, माचिस आदि बनाने में काम आती है।

3. छठी पंचवर्षीय योजना के बारे में बताइए।

उत्तर : छठी पंचवर्षीय योजना में 'सामाजिक वानिकी' नामक कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इसमें बेकार पड़ी भूमि, सड़कों, नहरों तथा रेल की पटरियों के किनारे वृक्ष लगाए जाते हैं। किसानों को खेतों की मेड़ों में वृक्ष लगाने के लिए सरकार द्वारा पौधे सुलभ कराए जाते हैं।

4. 'कृषि वानिकी' से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : कृषि वानिकी, सामाजिक वानिकी कार्यक्रम का एक अंग है। इसका लक्ष्य किसानों में खेतों की मेड़ों पर वृक्ष लगाने हेतु अनुकूल चेतना और प्रेरणा विकसित करना है ताकि उन्हें छाया भी मिले और आय भी बढ़े।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. मानव जीवन में पर्यावरण का क्या महत्व है?

उत्तर : पर्यावरण का मानव जीवन से घनिष्ठ संबंध है। जल, वायु, पौधे, मिट्टी सभी पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं। मनुष्य अपनी विविध आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्यावरण पर निर्भर है। पर्यावरण का संरक्षण स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए अत्यावश्यक है।

2. वनों का हमारे जीवन में योगदान बताइए।

उत्तर : वन हमें ईंधन, लकड़ी, फल, छाया, वर्षा, भूमि-संरक्षण, वायु-शुद्धि और जलवायु-संतुलन प्रदान करते हैं। पेड़-पौधे वर्षा में सहायक हैं, उनकी जड़ें तेज बहाव को रोकती हैं और उर्वरा-शक्ति सुरक्षित रखती हैं। वन आँधी-तूफान की गति नियंत्रित करते हैं और वातावरण की अशुद्ध वायु को स्वयं पचा लेते हैं।

3. वृक्षारोपण से आप क्या समझते हैं?

उत्तर : वृक्षारोपण का अर्थ है – अधिकाधिक संख्या में वृक्ष लगाना। वनों की कटाई के कारण देश में वनों का क्षेत्र घटकर बीस प्रतिशत से भी कम रह गया है। इसकी पूर्ति के लिए 'सामाजिक वानिकी' और 'कृषि वानिकी' कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

4. प्राचीन ग्रंथों में वनों की महिमा का उल्लेख किस प्रकार किया गया है?

उत्तर : अथर्ववेद में वनों को समस्त सुखों का स्रोत कहा गया है। गीता में श्रीकृष्ण ने वृक्षों को ईश्वर की विभूति बताया। अग्नि पुराण में वृक्षों को काटने को निषेध कहा गया है। मत्स्य पुराण में एक वृक्ष को दस पुत्रों के बराबर बताया गया है।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश-आधारित प्रश्न)

1. अथर्ववेद में वनों को क्या कहा गया है?

उत्तर : अथर्ववेद में वनों को समस्त सुखों का स्रोत कहा गया है।

2. गीता का उपदेश किसने दिया?

उत्तर : गीता का उपदेश भगवान श्रीकृष्ण ने दिया।

3. कौन-से पुराण में वृक्षों को काटना निषेध माना गया है?

उत्तर : अग्नि पुराण में वृक्षों को काटना निषेध माना गया है।

4. मत्स्य पुराण के अनुसार वनों की तुलना किससे की गई है?
उत्तर : मत्स्य पुराण के अनुसार एक वृक्ष की तुलना दस पुत्रों से की गई है।

<u>भाषा बोध</u>

(क) वर्णों को जोड़कर शब्द–
ग् + उ + र् + उ + क् + उ + ल् + अ. → गुरुकुल
प् + औ + ष् + आ. → पौषा
म् + अ + ह + अ + त् + व् + अ. → महत्व
स् + अं + त् + उ + ल् + अ + न् + अ. → संतुलन

(ग) व्यक्तिवाचक व जातिवाचक संज्ञा–
1. **नीम.** व्यक्तिवाचक: –, जातिवाचक: वृक्ष
2. **भारत.** व्यक्तिवाचक: भारत, जातिवाचक: देश
3. **राहुल.** व्यक्तिवाचक: राहुल, जातिवाचक: बच्चा
4. **हिमालय.** व्यक्तिवाचक: हिमालय, जातिवाचक: पर्वत
5. **अग्नि पुराण.** व्यक्तिवाचक: अग्नि पुराण, जातिवाचक: ग्रंथ

पाठ 7 – साहसी की सदा विजय

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u>

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–
1. (i) मेमना
2. (iii) नदी पर
3. (i) संकट
4. (iii) नदी में
5. (iii) भेड़िया

(ख) किसने, किससे कहा–
1. "चलो, पानी पी आएँ।"
2. "भेड़िया गंदा है।"
3. "प्यास बुझाना मेरा धर्म है।"
4. "क्या बकती है?"
5. "ये ठहरे जंगल के मंत्री।"

(ग) रिक्त स्थान पूर्ति–
1. बकरी और मेमना जंगल में घास चर रहे थे।
2. माँ की सीख मेमने ने गाँठ बाँध ली।
3. बकरी को बहुत ज़ोर की प्यास लगी थी।

4. बकरी ने लाड़ से मेमने को देखा।
5. साहस से काम लो, तो संकट टल जाता है।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. बकरी और मेमना कहाँ पहुँचे?
उत्तर : बकरी और मेमना नदी के तट पर पहुँचे।

2. नदी को किसने प्रणाम किया?
उत्तर : बकरी और मेमना दोनों ने नदी को प्रणाम किया।

3. पानी पीकर डकार किसे आई?
उत्तर : पानी पीकर डकार बकरी और मेमना दोनों को आई।

4. भेड़िया नदी के पास क्यों गया?
उत्तर : भेड़िया अपना मुँह धोने के बहाने नदी के पास गया ताकि बकरी और मेमने को खा सके।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. बकरी व मेमना नदी पर क्यों गए?
उत्तर : बकरी को बहुत जोर की प्यास लगी थी इसलिए वे दोनों नदी पर पानी पीने गए।

2. नदी ने बकरी व मेमने को क्या सूचना दी?
उत्तर : नदी ने उन्हें सूचना दी कि भेड़िया आने ही वाला है, पानी पीकर फ़ौरन घर की राह लो।

3. भेड़िया देखने में कैसा था?
उत्तर : भेड़िया लाल आँखों वाला और राक्षसी डील-डौल वाला था, जिसके शरीर का रक्त जम-सा गया था।

4. भेड़िए ने अपना मुँह कैसे साफ किया था?
उत्तर : भेड़िए ने दावा किया कि उसने रेत से रगड़कर अपना मुँह साफ किया है, पर यह झूठ था।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. नदी पर जाते समय बकरी अपने मेमने को क्या बता रही थी?
उत्तर : बकरी मेमने को बताती जा रही थी कि साहस से काम लो तो संकट टल जाता है और यदि धैर्य बना रहे तो विपत्ति से बचाव का रास्ता निकल ही आता है। माँ की यह सीख मेमने ने गाँठ बाँध ली।

2. मेमने ने नदी से क्या कहा और नदी ने क्या उत्तर दिया?
उत्तर : मेमने ने नदी से कहा कि भेड़िया गंदा है और छोटे जीवों पर रौब झाड़ता है। उन्हें मारकर खा जाता है। उसे अपने पास क्यों आने देती हो? नदी ने मुस्कुराकर कहा — मैं जानती हूँ कि भेड़िया गंदा है, पर प्यास बुझाना मेरा धर्म है, मैं उसे मना नहीं कर सकती।

3. भेड़िए को बकरी की बात पर कैसे विश्वास हो गया?
उत्तर : बकरी ने चतुराई से भेड़िए को नदी में झाँककर देखने को कहा। भेड़िए ने सोचा कि बकरी बड़ी है, उसका भरोसा नहीं, पर नन्हा मेमना झूठ नहीं बोलेगा। इसलिए वह नदी में झाँकने गया।

4. बकरी ने जान बचाने के लिए भेड़िए को किस प्रकार बेवकूफ बनाया?
उत्तर : बकरी ने भेड़िए को बीस कदम आगे नदी के पास बुलाया जहाँ पानी गहरा और किनारे चिकने थे। जैसे ही भेड़िया झाँका, बकरी ने पूरी ताकत से उसे धक्का दे दिया। भेड़िया अपना भारी शरीर संभाल न पाया और नदी में जा गिरा। दोनों सुरक्षित भाग निकले।

5. इस कहानी के माध्यम से लेखक क्या बताना चाहता है?

उत्तर : लेखक यह बताना चाहता है कि संकट में साहस और धैर्य से काम लेने पर ही विजय मिलती है। भेड़िए जैसे ताकतवर शत्रु को भी चतुराई और हिम्मत से हराया जा सकता है।

6. आशय स्पष्ट कीजिए — 'धैर्य यदि बना रहे तो विपत्ति से बचाव का रास्ता निकल ही आता है।'

उत्तर : इस वाक्य का आशय है कि कठिन से कठिन परिस्थिति में भी यदि हम धैर्य रखें, घबराएँ नहीं और शांत रहकर सोचें तो समस्या का समाधान अवश्य निकल आता है।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश-आधारित प्रश्न)

1. भेड़िया किस पर रौब झाड़ता है?

उत्तर : भेड़िया छोटे जीवों पर रौब झाड़ता है।

2. मेमने ने नदी से क्या कहा?

उत्तर : मेमने ने नदी से कहा कि भेड़िया गंदा है, वह छोटे जीवों को मारकर खाता है, इसे अपने पास क्यों आने देती हो?

3. नदी को भेड़िए की कौन-सी आदत पसंद नहीं है?

उत्तर : नदी को भेड़िए की छोटे जीवों को सताने की आदत पसंद नहीं है।

4. नदी का धर्म क्या है?

उत्तर : प्यास बुझाना नदी का धर्म है।

भाषा बोध

(क) 'ई' प्रत्यय जोड़कर नए शब्द–

1. जूता. → जूती

2. गंदा. → गंदी

3. पक्का. → पक्की

4. पहाड़. → पहाड़ी

5. नाला. → नाली

6. छोटा. → छोटी

(ख) लिंग बदलिए–

बूढ़ा → बुढ़िया. बकरी → बकरा

मालिन → माली. चूहा → चुहिया

पंडित → पंडिताइन. शेरनी → शेर

बाघ → बाघिन. मुर्गा → मुर्गी

पाठ 8 – वारिस

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (i) दोपहर तीन बजे

2. (ii) मास्टर जी को

3. (iii) चार रुपये

4. (iii) अंग्रेज़ी

5. (i) पर्चा

(ख) सही मिलान कीजिए–

1. बाना. (v) पहनावा
2. ड्योढ़ी. (iv) दहलीज
3. प्रगति. (i) उन्नति
4. हैरानी. (ii) आश्चर्य
5. हिज्जे. (iii) वर्तनी

(ग) रिक्त स्थान पूर्ति–

1. मास्टर जी किसी से ख़ैरात नहीं चाहते थे।
2. उनका सारा चेहरा एक बार पसीने से भीग गया।
3. गली से उठती हुई भयानक दुर्गंध से दिमाग़ फटने लगता।
4. हम लोग उनके साथ-साथ ड्योढ़ी तक आए।
5. कुछ ही दिन बाद वह निब मुझसे टूट गया।

<u>अतिलघु उत्तरीय प्रश्न</u>

1. खट-खट की आवाज़ सुनकर बच्चे कहाँ पहुँच जाते थे?

उत्तर : खट-खट की आवाज़ सुनकर बच्चे भागकर बैठक में पहुँच जाते थे।

2. मास्टर जी के आने व जाने के समय में क्या अंतर था?

उत्तर : मास्टर जी के आने का समय निश्चित था परंतु जाने का समय अनिश्चित था।

3. मास्टर जी को टाइफ़ाइड कितने समय तक रहा?

उत्तर : मास्टर जी को टाइफ़ाइड पूरे चार महीने तक रहा।

4. लेखक की बहन ईर्ष्या से क्या देख रही थी?

उत्तर : लेखक की बहन ईर्ष्या से उसके हाथ में उस फ़ाउंटेन पेन को देख रही थी जो मास्टर जी ने लेखक को दिया था।

5. फाउंटेन पेन का रंग कैसा था?

उत्तर : फाउंटेन पेन का रंग भूरा (गेरुआ) था।

<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>

1. लेखक को अंग्रेज़ी व्याकरण के किस विषय में फ़र्क़ करना कठिन हो जाता था और क्यों?

उत्तर : लेखक को अंग्रेज़ी में 'नाउन' और 'एडजेक्टिव' में फ़र्क़ करना कठिन लगता था क्योंकि उसकी बहन की अंग्रेज़ी लेखक से बेहतर थी और वह आँखों से ही उसे गलत करने से रोकती थी।

2. मास्टर साहब के चरित्र की कोई दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर : मास्टर जी समय के बहुत पाबंद थे। वे स्वाभिमानी थे और किसी से ख़ैरात नहीं चाहते थे। वे बच्चों से प्रेम करते थे और अपनी ग़रीबी में भी कर्तव्यनिष्ठ रहे।

3. मास्टर जी ने बच्चों को अंग्रेज़ी के अतिरिक्त क्यों पढ़ाने के लिए कहा था और क्यों बंद कर दिया था?

उत्तर : मास्टर जी बच्चों को थोड़ी-थोड़ी बंगला भी सिखाना चाहते थे ताकि उनका भाषा-ज्ञान बढ़े। लेकिन बच्चों की प्रगति से निराश होकर उन्होंने बंगला सिखाना बंद कर दिया।

4. मास्टर जी ने लेखक को फाउंटेन पेन क्यों दिया?

उत्तर : परीक्षा में लेखक के सभी उत्तर सही होने से मास्टर जी बहुत प्रसन्न हुए। जाते समय उन्होंने अपना पुराना फाउंटेन पेन लेखक को यह कहते हुए दिया — तुम्हें दे रहा हूँ, बहुत अच्छा तो नहीं है, मगर काम करता है।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. मास्टर जी ने पिताजी को अपने बारे में क्या बताया व पिताजी ने क्या किया?

उत्तर : मास्टर जी ने बताया कि वे एक पैसे न होने से बहुत तंगी में हैं, मगर किसी से ख़ैरात नहीं चाहते, काम करके रोटी खाना चाहते हैं। यह सुनकर पिताजी ने उसी समय उन्हें बच्चों को पढ़ाने के लिए रख लिया।

2. लेखक ने मास्टर जी की कोठरी में क्या-क्या देखा?

उत्तर : कोठरी में कपड़ों के नाम पर वे ही कपड़े थे जो लेखक ने उनके शरीर पर देखे थे। डंडे और कमंडल के अतिरिक्त उनकी संपत्ति में कुछ पुरानी फटी पुस्तकें थीं जिनमें केवल भगवद्गीता का शीर्षक पढ़ सका।

3. पिताजी ने मास्टर जी से क्या कहने को कहा?

उत्तर : परीक्षा की 'बी' पेपर की तारीख बताने के लिए पिताजी ने बच्चों से कहा कि मास्टर जी को अभी से सूचित कर दें कि जिस दिन अंग्रेज़ी का पेपर होगा उस दिन तक हम पढ़ते रहेंगे मगर उसके बाद नहीं।

4. मास्टर जी लेखक के घर अंतिम बार कब व क्यों आए?

उत्तर : मास्टर जी लेखक के घर परीक्षा के बाद अंतिम बार आए। वे जाने से पहले बच्चों से मिलना चाहते थे। उन्होंने लेखक की पीठ थपथपाई, पानी पिया और चले गए, लेकिन शाम को वापस आए और फाउंटेन पेन दिया।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश-आधारित प्रश्न)

1. लेखक को कौन-सी परीक्षा देनी थी?

उत्तर : लेखक को मैट्रिक की परीक्षा देनी थी।

2. लेखक की बहन लेखक से कितनी बड़ी थी?

उत्तर : लेखक की बहन लेखक से एक साल बड़ी थी।

3. 'वंडरफुल' के हिज्जे लिखिए।

उत्तर : W-O-N-D-E-R-F-U-L — वंडरफुल।

4. मास्टर जी उत्साह के साथ क्या पढ़ाते थे?

उत्तर : मास्टर जी उत्साह के साथ कविता पढ़ाते थे।

भाषा बोध

(क) अविकारी शब्द–

1. गेरुए (विकारी – विशेषण)
2. ज़्यादा (अविकारी – क्रिया-विशेषण)
3. ठीक (अविकारी – क्रिया-विशेषण)
4. जल्दी (अविकारी – क्रिया-विशेषण)
5. थोड़ी-थोड़ी (अविकारी – क्रिया-विशेषण)

(ख) वचन बदलिए–

पुस्तकें → पुस्तक. कुर्सी → कुर्सियाँ

छुट्टी → छुट्टियाँ. कॉपियाँ → कॉपी

सीढ़ियाँ → सीढ़ी. आँखें → आँख

घड़ी → घड़ियाँ. कोठरी → कोठरियाँ

(ग) मुहावरे–
आँख लगना. – नींद आ जाना : बच्चों को आँख लग गई।
सिर पर हाथ फेरना. – प्यार करना / आशीर्वाद देना : मास्टर जी ने लेखक के सिर पर हाथ फेरा।

पाठ 9 – भक्तों की वाणी से

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (i) क्षमा

2. (iii) खजूर

3. (i) धर्म

(ख) सही मिलान कीजिए–

1. **विपदा.** (v) संकट
2. **तँह.** (iv) वहाँ
3. **उत्पात.** (ii) शरारत
4. **कुटुम.** (iii) परिवार
5. **पंथी.** (i) पथिक

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. हमें ईश्वर से कितना माँगना चाहिए?
उत्तर : कबीरदास के अनुसार हमें ईश्वर से केवल उतना ही माँगना चाहिए जिसमें परिवार का पालन हो और साधु-संत भी भूखे न जाएँ — न इससे कम, न इससे अधिक।

2. दया, क्रोध, लालच और क्षमा का क्या परिणाम होता है?
उत्तर : कबीर के अनुसार जहाँ दया होती है वहाँ धर्म है। जहाँ लोभ है वहाँ पाप है। जहाँ क्रोध है वहाँ काल (मृत्यु/विनाश) है और जहाँ क्षमा है वहाँ स्वयं ईश्वर निवास करते हैं।

3. कबीर ने खजूर के वृक्ष के माध्यम से क्या शिक्षा दी है?
उत्तर : कबीर ने खजूर के उदाहरण से बताया कि केवल बड़ा होने से कोई लाभ नहीं यदि दूसरों के काम न आओ। खजूर का वृक्ष बड़ा तो होता है पर पंथी को न तो छाया देता है न ही उसके फल आसानी से मिलते हैं।

4. रहीम किस प्रकार विपत्ति को अच्छा बताते हैं?
उत्तर : रहीम कहते हैं कि विपत्ति थोड़े दिन की हो तो भली है क्योंकि विपत्ति में ही सच्चे-झूठे, हितैषी-विरोधी सभी की पहचान हो जाती है।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न — दोहों का अर्थ

1. साईं इतना दीजिए, जामे कुटुम समाय...

कबीर कहते हैं — हे ईश्वर! मुझे केवल इतना दीजिए जिसमें मेरे परिवार का भरण-पोषण हो जाए। मैं भी भूखा न रहूँ और साधु-संत भी भूखे न जाएँ। अर्थात् संतोष और सादगी से जीने की प्रेरणा इस दोहे में है।

2. रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून…

रहीम कहते हैं — पानी की महत्ता सदा बनाए रखनी चाहिए। बिना पानी के सब सूना है। मोती का पानी (चमक) नष्ट होने पर वह बेकार हो जाता है, मनुष्य का पानी (आत्मसम्मान) जाने पर वह समाज में गिर जाता है और चूने का पानी गए बिना वह किसी काम का नहीं।

3. बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर…

कबीर कहते हैं — केवल बड़े हो जाने से कोई महान नहीं बनता। खजूर का पेड़ बहुत ऊँचा होता है पर पंथी को न छाया देता है न फल आसानी से मिलते हैं। इसी प्रकार जो व्यक्ति दूसरों के काम न आए, उसकी बड़ाई व्यर्थ है।

<u>प्रत्यास्मरण (दोहा-आधारित प्रश्न)</u>

1. जहाँ दया है, वहाँ क्या होता है?

उत्तर : जहाँ दया है, वहाँ धर्म का निवास होता है।

2. पाप का निवास कहाँ होता है?

उत्तर : जहाँ लोभ है, वहाँ पाप का निवास होता है।

3. क्रोध होने पर क्या होता है?

उत्तर : जहाँ क्रोध है वहाँ काल (विनाश) होता है।

4. हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए?

उत्तर : हमें क्षमा, दया और प्रेम से युक्त व्यवहार करना चाहिए क्योंकि क्षमा में ईश्वर का निवास है।

<u>भाषा बोध</u>

(क) तत्सम शब्दों के तद्भव रूप–

अग्नि. → आग

कंकण. → कंगन

कपाट. → किवाड़

स्वर्ण. → सोना

क्षण. → छण/पल

दुग्ध. → दूध

(ख) लिंग बदलिए–

भूखा. → भूखी

साधु. → साध्वी

नर. → नारी

अध्यापक. → अध्यापिका

साँप. → साँपिन

पुरुष. → स्त्री

(ग) तुकांत शब्द–

समाय. → जाय

पाप. → आप
चून. → सून
खजूर. → दूर
उत्पात. → लात
कोय. → होय

पाठ 10 – माँ कह एक कहानी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (i) उपवन में
2. (ii) रंग-बिरंगे
3. (ii) राहुल
4. (iii) पंख में
5. (iii) आखेटक व सिद्धार्थ में

(ख) सही/गलत–

1. ✓ (उपवन में सिद्धार्थ भ्रमण कर रहे थे।)
2. ✗ (हंस को सिद्धार्थ ने उठाया था।)
3. ✗ (राजकुमार सिद्धार्थ के पिता ने हंस को तीर नहीं मारा था — आखेटक ने मारा था।)
4. ✓ (राहुल ने अपने पिता को सही बताया।)

(ग) पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. वर्ण-वर्ण के फूल खिले थे, झलमल कर हिम-बिंदु मिले थे, हलके झोंके लहराता था पानी।
2. माँगा रक्षी पक्षी, हठ कर राहुल माँगा पक्षी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. माँ बालक को कौन-सी कहानी सुनाती है?

उत्तर : माँ यशोधरा बालक राहुल को उसके पिता सिद्धार्थ के बचपन की एक घटना की कहानी सुनाती है जिसमें एक घायल हंस और दो राजकुमारों के बीच विवाद था।

2. विवाद किस बात पर हुआ था?

उत्तर : विवाद इस बात पर हुआ कि घायल हंस पर किसका अधिकार है — आखेटक (शिकारी) का जिसने तीर मारा था, या सिद्धार्थ का जिसने हंस को बचाया था।

3. हंस को किसने मारा तथा किसने बचाया?

उत्तर : हंस को आखेटक (शिकारी राजकुमार) ने तीर मारकर घायल किया था। सिद्धार्थ ने उसे उठाकर बचाया और उसकी सेवा की।

4. राहुल ने क्या निर्णय दिया और क्यों?

उत्तर : राहुल ने निर्णय दिया कि हंस सिद्धार्थ का है क्योंकि जो मारे वह हत्यारा है और जो जीव की रक्षा करे उसी का अधिकार होता है। जीवन देने वाला जीवन लेने वाले से बड़ा होता है।

5. प्रस्तुत कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : यह कविता राजकुमार सिद्धार्थ की करुणा और अहिंसा की भावना दर्शाती है। बचपन में उन्होंने एक घायल हंस की रक्षा की। न्यायालय ने उनके पक्ष में निर्णय दिया। इस कहानी के माध्यम से माँ यशोधरा राहुल को अहिंसा और जीव-दया का पाठ पढ़ाती हैं।

<u>**विस्तृत उत्तरीय प्रश्न — भावार्थ**</u>

'कोई निरपराध को मारे, तो क्या अन्य उसे न उबारे? रक्षक पर भक्षक को वारे, न्याय दया का दानी।'

भावार्थ : माँ यशोधरा कहती हैं कि यदि कोई निर्दोष को मारे तो क्या दूसरा उसे बचा नहीं सकता? जो रक्षक (बचाने वाला) है वही सच्चा हकदार है, न कि भक्षक (मारने वाला)। न्याय सदा दया का साथ देता है।

<u>**प्रत्यास्मरण (पद्यांश-आधारित प्रश्न)**</u>

1. प्रस्तुत कविता के रचयिता कौन हैं?

उत्तर : प्रस्तुत कविता के रचयिता राजकुमार सिद्धार्थ की पत्नी यशोधरा के जीवन पर आधारित हैं, कवि राजकुमार सिद्धार्थ — इसके रचयिता रामधारी सिंह 'दिनकर' हैं।

2. प्रस्तुत पद्यांश में निर्णायक किसे बनाया गया है?

उत्तर : पद्यांश में राहुल को निर्णायक बनाया गया है।

3. कहानी कौन सुना रहा है?

उत्तर : माँ यशोधरा कहानी सुना रही हैं।

4. 'निर्भय' शब्द का क्या अर्थ है?

उत्तर : 'निर्भय' का अर्थ है — भय रहित, निडर।

<u>**भाषा बोध**</u>

(क) तुकांत शब्द–

रानी. → कहानी

मेरे. → तेरे

खिले. → मिले

उबारे. → वारे

पाया. → आया

पक्षी. → रक्षी

किसका. → जिसका

बानी. → दानी

(ख) लिंग बदलिए–

ब्राह्मण. → ब्राह्मणी

बूढ़ा. → बुढ़िया

सुनार. → सुनारिन

ठाकुर. → ठकुराइन

चूहा. → चुहिया

नाई. → नाईन

दास. → दासी
सिंह. → सिंहनी

पाठ 11 – छोटा जादूगर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (ii) जादूगर से
2. (i) जेल में
3. (i) स्त्री
4. (iii) बे…

(ख) किसने, किससे कहा–

1. "भाई, आज के तुम्हीं मित्र रहे।"
2. "बाबू जी नमस्ते! आज कहिए तो खेल दिखाऊँ।"
3. "दिखलाओ जी, तुम तो अच्छे आए।"
4. "पहले भरपेट पकौड़ी खाऊँगा।"
5. "आज तुम्हारा खेल जमा क्यों नहीं?"

(ग) रिक्त स्थान पूर्ति–

1. कार्निवाल के मैदान में बिजली की जगमगाहट रही थी।
2. मैंने दीर्घ निःश्वास लिया।
3. संसार अपने आप नाच रहे थे।
4. झोंपड़ी में एक स्त्री चीथड़ों से लदी हुई पड़ी रही थी।
5. जादूगर दौड़कर झोंपड़े में माँ-माँ पुकारते हुए घुसा।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. लड़का मेले में चुपचाप खड़ा किसे देख रहा था?
उत्तर : लड़का मेले में चुपचाप खड़ा तमाशा देखने वालों को देख रहा था।

2. शरबत पीकर लड़का व लेखक कहाँ गए?
उत्तर : शरबत पीकर दोनों उस जगह गए जहाँ खिलौनों को गेंद से गिराया जाता था।

3. ताश के पत्तों का लाल रंग किसमें बदल गया था?
उत्तर : ताश के पत्तों का लाल रंग हरे रंग में बदल गया था।

4. जादूगर की माँ को कहाँ से निकाल दिया गया था?
उत्तर : जादूगर की माँ को अस्पताल से निकाल दिया गया था।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. जादूगर ने खेल दिखाने की क्यों सोची?

उत्तर : जादूगर के बाबू जी जेल में थे और माँ बहुत बीमार थी। उसे माँ की दवाई और देखभाल के लिए पैसों की जरूरत थी इसलिए वह खेल दिखाकर कुछ कमाना चाहता था।

2. पहली बार लेखक ने झोंपड़ी में क्या देखा था?

उत्तर : पहली बार झोंपड़ी में लेखक ने देखा कि एक स्त्री चीथड़ों से ढकी लेटी है और उसकी दशा बहुत खराब है। वहाँ बहुत गरीबी थी।

3. जादूगर के खेल में क्या-क्या होता था?

उत्तर : जादूगर के खेल में ताश के पत्तों का रंग बदलना, खिलौनों की गेंद से गिराना, कार्निवाल के मैदान में विभिन्न करतब दिखाना और निशानेबाजी शामिल थे।

4. सड़क के किनारे खेल दिखाते समय जादूगर उदास क्यों था?

उत्तर : उस दिन माँ ने कहा था कि जल्दी आना, उनकी घड़ी समीप है। माँ की हालत गंभीर थी इसलिए जादूगर मन से उदास था और खेल में मन नहीं लग रहा था।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. कार्निवाल के मैदान में लेखक को कौन मिला तथा उसकी क्या स्थिति थी?

उत्तर : कार्निवाल के मैदान में लेखक को एक तेरह-चौदह वर्ष का लड़का मिला जो चुपचाप तमाशा देख रहा था। उसके पास पैसे नहीं थे, उसके बाबू जी जेल में थे और माँ बीमार थी। वह खेल दिखाकर जीविका कमाता था। उसका स्वाभिमान इतना था कि उसने अपनी माँ के लिए पैसे माँगने की बजाय लेखक के लिए खेल दिखाने की बात कही।

2. छोटे जादूगर को अल्पावस्था में ही जीविकोपार्जन क्यों करना पड़ा?

उत्तर : उसके पिता जेल में थे और माँ गंभीर रूप से बीमार थी। घर में कोई कमाने वाला नहीं था इसलिए उस छोटी उम्र में ही उसे जादू के खेल दिखाकर पैसा कमाना पड़ा।

3. कोलकाता में लेखक छोटे जादूगर से कहाँ मिला तथा क्या हुआ?

उत्तर : कोलकाता (कलकत्ता) में लेखक सुरम्य वनस्पति उद्यान में झील के किनारे बैठा जलपान कर रहा था। वहाँ जादूगर मिला और उसने खेल दिखाया। अचानक उसे खबर मिली कि माँ बहुत बीमार है और वह दौड़ता हुआ झोंपड़े की ओर चल पड़ा।

4. लेखक को छोटे जादूगर पर क्रोध क्यों आया?

उत्तर : लेखक को लगा कि माँ के बीमार होने पर भी वह खेल दिखाने आ गया और माँ की बात छुपाई। लेखक को यह देखकर क्रोध आया, पर जब उसने जादूगर के स्वाभिमान और माँ के प्रति समर्पण को समझा तो वह भाव-विभोर हो गया।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश-आधारित प्रश्न)

1. लेखक कार्निवाल के मैदान में किससे मिला?

उत्तर : लेखक एक छोटे जादूगर लड़के से मिला।

2. आगे बढ़ने पर हमें पीछे कौन खींचता है?

उत्तर : जादूगर के बाबू जी जेल में थे — यह बात लेखक को लड़के ने बताई।

3. बुरी प्रवृत्तियों की तुलना किससे की गई है?

उत्तर : लड़के ने बताया कि माँ के लिए पथ्य नहीं मिल रहा और उसकी अपनी माँ रोगी है।

4. 'सीधी-सादी घाटी' किसे कहा गया है?

उत्तर : लड़के की माँ झोंपड़ी में बीमार पड़ी थी।

भाषा बोध

(क) अविकारी शब्द–

1. जगमगा रही थी. – क्रिया
2. निःश्वास. – संज्ञा
3. स्फूर्तिमान. – विशेषण
4. माँ-माँ. – पुनरुक्त शब्द
5. समग्र. – विशेषण

(ख) वाक्यों में प्रयोग–
दार्शनिक. – महात्मा बुद्ध एक महान दार्शनिक थे।
स्फूर्तिमान. – व्यायाम से शरीर स्फूर्तिमान रहता है।
समग्र. – उसने समग्र शक्ति लगाकर काम किया।
निर्मम. – निर्मम व्यक्ति किसी का दुःख नहीं समझता।
सुरम्य. – वह सुरम्य उद्यान में बैठा था।

पाठ 12 – गपें

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–
1. (i) बगीचे में
2. (iii) गपें
3. (iii) भावना
4. (ii) चिड़ियाँ

(ख) रिक्त स्थान पूर्ति–
1. मनोज और अमित के रविवार के दिन आपस में मिले हुए थे।
2. झूला झूलती यूकेलिप्टस ने गाना गाना शुरू कर दिया।
3. नन्हें-नन्हें सितारे धमाचौकड़ी मचा रहे थे।
4. सूरज आराम से हरी-हरी घास पर लेटा आराम कर रहा था।

(ग) किसने, किससे कहा–
1. "तो आज कौन-सा खेल खेलें?"
2. "चलो, गपें खेलते हैं।"
3. "चाँद फूट गया तो फिर उसके टुकड़े कहाँ गए?"
4. "अच्छा, तो तुम झूठ बोल रहे हो।"
5. "हम ख़ुशी के लिए खेल रहे हैं, किसी का नुक़सान नहीं कर रहे हैं।"

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न
1. कैरम कौन नहीं खेलना चाहता था?
उत्तर : मनोज कैरम नहीं खेलना चाहता था।

2. गपों में मछलियाँ झूला कहाँ झूल रही थीं?
उत्तर : गपों में मछलियाँ झूला बादलों में झूल रही थीं।

3. कैसी गपें हाँकने का कोई फ़ायदा नहीं है?
उत्तर : जिससे किसी का उपकार न हो, ऐसी गपें हाँकने का कोई फ़ायदा नहीं।

4. भावना दीदी की गपों को कौन सच मान बैठा था?
उत्तर : मम्मियाँ भावना दीदी की गपों को सच मान बैठी थीं।

<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>

1. मनोज और अमित नदी पर क्यों गए?
उत्तर : मनोज और अमित आपस में बातें करते हुए बगीचे में मिले और गपें खेलने का आनंद लेने के लिए वे नदी के किनारे चले गए।

2. नदी ने बकरी व मेमने को क्या सूचना दी? (यहाँ: मनोज ने गप में क्या कहा?)
उत्तर : मनोज ने गप में कहा कि एक बार बहुत जोरों की बारिश हुई। पानी रस्सी की तरह गिर रहा था। वह उसमें नहाया, फिर पानी की रस्सी पकड़कर ऊपर चढ़ गया जहाँ धूप खिली हुई थी।

3. भेड़िया देखने में कैसा था? (यहाँ: भावना दीदी ने क्या कहा?)
उत्तर : भावना दीदी ने कहा कि गपें हाँकने से क्या फ़ायदा जिससे किसी का उपकार न हो? मैंने एक गप हाँकी और दो बच्चों का उपकार भी किया — उनकी मम्मियों ने सोचा कि वे पढ़ाई कर रहे हैं।

4. भेड़िए ने अपना मुँह कैसे साफ किया था? (यहाँ: गप का परिणाम क्या हुआ?)
उत्तर : दोनों बच्चों की मम्मियों ने भावना दीदी की गप को सच मानकर अपने बच्चों को प्यार किया और सुबह-सुबह पढ़ाई करने की शाबाशी दी।

<u>विस्तृत उत्तरीय प्रश्न</u>

1. नदी पर जाते समय बकरी अपने मेमने को क्या बता रही थी? (यहाँ: मनोज और अमित की गपें क्या थीं?)
उत्तर : मनोज की गप: एक बार आकाश में यूकेलिप्टस का पेड़ झूल रहा था। मछलियाँ बादलों में झूला झूल रही थीं, सितारे धमाचौकड़ी मचा रहे थे और सूरज हरी घास पर लेटा आराम कर रहा था। एक बार बहुत बारिश हुई, पानी रस्सी की तरह गिर रहा था, मनोज नहाया और रस्सी पकड़कर ऊपर चढ़ गया।

2. मेमने ने नदी से क्या कहा और नदी ने क्या उत्तर दिया? (यहाँ: भावना दीदी का गप से क्या आशय था?)
उत्तर : भावना दीदी ने समझाया कि गपें केवल मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि उपकार के लिए भी होनी चाहिए। उन्होंने एक गप मारी — मम्मियों से कहा कि बच्चे पढ़ रहे हैं — इससे बच्चों को खेलने का समय मिला और मम्मियों को भी शांति रही।

<u>भाषा बोध</u>

(क) उपसर्ग शब्द–

सु. – सुरम्य, सुगंधित

बे. – बेकार, बेशर्म

अन. – अनजान, अनदेखा

ना. – नाकाम, नालायक

(ख) वाक्यों में प्रयोग–
धमाचौकड़ी. – बच्चे कक्षा में धमाचौकड़ी मचा रहे थे।

ट्रांसफर. – पिताजी का ट्रांसफर दिल्ली हो गया।
गपें. – दोनों दोस्त बैठकर गपें मार रहे थे।
रंग-बिरंगी. – बाजार में रंग-बिरंगी पतंगें बिक रही थीं।

पाठ 13 – हेर-फेर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (i) बैठाया
2. (ii) रईस
3. (i) मज़दूरों की
4. (iii) गलीचे

(ख) सही मिलान कीजिए–

1. **छोकरा.** (ii) लड़का
2. **ब्याह.** (iv) विवाह
3. **रईस.** (i) अमीर
4. **पाजी.** (vi) बदमाश
5. **ख्याल.** (vii) विचार
6. **एकाएक.** (iii) अचानक
7. **सिर्फ.** (v) केवल

(ग) रिक्त स्थान पूर्ति–

1. सामने से एक मज़दूरों की बारात आ रही थी।
2. मज़दूर के ब्याह की कल्पना मिट्टी में मिल गई।
3. उसके संदूकों में रुपये और मुहरें थीं।
4. पालकी में सवार अमीर का दिमाग़ ख़राब हो गया।
5. मज़दूर चीख मारते हुए इधर-उधर भागने लगे।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. मज़दूर ने अपने पैसे कहाँ रखे थे?
उत्तर : मज़दूर ने अपने पैसे मिट्टी में गाड़कर रखे थे।

2. बारात वालों ने मज़दूर को कहाँ फेंक दिया?
उत्तर : बारात वालों ने मज़दूर को डंडे मारकर सड़क के किनारे फेंक दिया।

3. किसके ब्याह की कल्पना मिट्टी में मिल गई?
उत्तर : मज़दूर के ब्याह की कल्पना मिट्टी में मिल गई।

4. रईस व्यक्ति की पालकी रुकने का क्या कारण था?
उत्तर : मज़दूरों की बारात सामने से आ रही थी जिसने रास्ता रोक लिया था।

5. रईस व्यक्ति को सड़क के किनारे बैठकर क्या एहसास हुआ?
उत्तर : उसे ऐसा लगा जैसे वह यहाँ कभी पहले भी बैठ चुका है — शायद कई वर्ष पहले, शायद किसी पिछले जन्म में।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. हेर-फेर कहानी में मज़दूर ने क्या सोचा था?
उत्तर : मज़दूर ने सोचा था कि बेटे का ब्याह करेगा। उसने पैसे जमा किए थे और ब्याह का सपना था। परंतु जब वह बारात लेकर जा रहा था तो रईस की पालकी से हुई मारपीट में उसकी सारी मेहनत और सपना मिट्टी में मिल गया।

2. मज़दूर अपने नगर का रईस कैसे बन गया?
उत्तर : वह मज़दूर बहुत परिश्रमी था। उसने जी-जान से काम किया, रात की नींद बेची, दिन का आराम बेचा और शतरंज की चालों, छल-कपट व धोखे से धन पाया। अंततः वह नगर का नामी रईस बन गया।

3. बारात आ रही थी—
उत्तर : मज़दूरों की बारात रईस की पालकी के सामने से आ रही थी। रईस ने अपने नौकरों से मज़दूरों को हटाने को कहा। इस पर मज़दूरों ने कहा कि सड़क सिर्फ तुम्हारे लिए नहीं है, हम भी चल सकते हैं।

4. रईस व्यक्ति की पालकी रुकने का क्या कारण था तथा उसने क्या किया?
उत्तर : मज़दूरों की बारात ने रास्ता रोका। रईस ने पाजियों को डंडे मारकर भगाने का आदेश दिया। मज़दूरों पर डंडे बरसे। शोर मचा, मज़दूर भागे। थोड़ी देर में वहाँ कोई मज़दूर न था। रईस ने पालकी रुकवाई और गलीचे पर बैठ गया।

5. रईस व्यक्ति को सड़क के किनारे बैठकर क्या एहसास हुआ?
उत्तर : गलीचे पर बैठते ही उसे ऐसा लगा जैसे वह यहाँ पहले भी कभी बैठ चुका है। शायद उस स्थान पर उसने पहले कभी गरीबी में समय बिताया था — शायद कई वर्षों पहले जब वह खुद मज़दूर था।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. हेर-फेर कहानी से क्या संदेश मिलता है?
उत्तर : इस कहानी से संदेश मिलता है कि जो व्यक्ति परिश्रम और ईमानदारी छोड़कर धोखे और छल से आगे बढ़ता है, वह अपनी जड़ों और अपनी असलियत को भूल जाता है। जब भाग्य उसे अपने अतीत से रूबरू करा देता है, तब वह अपनी पहचान खो बैठता है।

2. कहानी में रईस की मनोदशा का वर्णन कीजिए।
उत्तर : रईस व्यक्ति अपनी शान-शौकत में इतना डूबा था कि आम मज़दूरों को कीड़ा-मकोड़ा समझता था। परंतु जब वह सड़क के किनारे गलीचे पर बैठा तो उसके मन में एक अजीब एहसास हुआ — जैसे उसके भीतर का पुराना मज़दूर जाग उठा हो। उसकी आँखें आकाश की ओर उठी और वह अपने अतीत की पीड़ा से जूझता दिखा।

भाषा बोध

(क) उपसर्ग–

अन + **आहार.** → अन्नाहार

नि + **स्वार्थ.** → निःस्वार्थ

सु + **विधा.** → सुविधा

वि + **वाह.** → विवाह

(ख) विलोम शब्द–

गरीब. → अमीर

दिन. → रात

शोर. → शांति
आराम. → परिश्रम
धोखा. → विश्वास

(ग) मुहावरे–
शतरंज की चाल. – चालाकी/धूर्तता : उसने शतरंज की चाल से सारी संपत्ति हड़प ली।
मिट्टी में मिलना. – नष्ट हो जाना : उसकी सारी मेहनत मिट्टी में मिल गई।
दिमाग़ ख़राब होना. – गुस्सा आना : रईस का दिमाग़ ख़राब हो गया।
पाजियों को ठिकाने लगाना. – दुष्टों को दंड देना : नौकरों ने पाजियों को ठिकाने लगा दिया।

पाठ 14 – देश की ओर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (i) दो वर्ष
2. (ii) साधारण तमिल
3. (ii) मुसाफिर
4. (iii) मुंबई का
5. (iii) हुगली

(ख) सही/गलत का चिह्न लगाइए–

1. ✗ (सन् 1896 में लेखक ने देश जाने की इजाजत माँगी थी।)
2. ✓ (लेखक ने स्टीमर द्वारा अपनी यात्रा आरंभ की।)
3. ✓ (लेखक ने उर्दू दक्षिण अफ्रीका की जेल में सीखी।)
4. ✗ (लेखक की 'पोंगला' के कप्तान से शत्रुता हो गई — मित्रता हुई थी।)
5. ✓ (लेखक चौबीस दिन बाद कोलकाता पहुँचा।)

(ग) रिक्त स्थान पूर्ति–

1. स्टीमर में बहुत से काम करने वाले निकल आए थे।
2. मंत्री के लिए साधारण तमिल जानने की जरूरत थी।
3. तमिल का अभ्यास भी ठीक चलता रहा।
4. दक्षिण अफ्रीका की लड़ाई निरक्षरों की थी।
5. मित्रता और आध्यात्मिक चर्चा की जड़ में मेरा अन्नाहार था।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. गाँधी जी ने कहाँ रहने का निश्चय किया?

उत्तर : गाँधी जी ने दक्षिण अफ्रीका में रहने का निश्चय किया था परंतु यात्रा में वे देश (भारत) की ओर लौट रहे थे।

2. किसकी स्मरण शक्ति गाँधी जी से अच्छी थी?

उत्तर : स्टीमर पर मिले अंग्रेज अधिकारी की स्मरण शक्ति गाँधी जी से बढ़ी-चढ़ी थी।

3. लेखक ने किस भाषा को दक्षिण अफ्रीका की जेल में सीखा?

उत्तर : लेखक (गाँधी जी) ने उर्दू दक्षिण अफ्रीका की जेल में सीखी।

4. 'पोंगला' के कप्तान से लेखक की क्या हुई?

उत्तर : 'पोंगला' के कप्तान से लेखक की गहरी मित्रता हो गई थी।

5. लेखक चौबीस दिन बाद कहाँ पहुँचा?

उत्तर : लेखक चौबीस दिन बाद कोलकाता (कलकत्ता) पहुँचा।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लेखक दक्षिण अफ्रीका में कितने वर्षों से रह चुका था?

उत्तर : लेखक दक्षिण अफ्रीका में करीब दो वर्षों से रह चुका था और अब देश लौट रहे थे।

2. मंत्री के लिए किस भाषा की जरूरत थी और क्यों?

उत्तर : मंत्री के लिए साधारण तमिल जानने की जरूरत थी ताकि मद्रासी भाइयों से संबंध स्थापित किया जा सके और उनसे भलीभाँति बातचीत हो सके।

3. गाँधी जी स्टीमर में किस-किस से मिले?

उत्तर : गाँधी जी स्टीमर में दो अंग्रेज अधिकारियों से मिले जिनसे उनकी मित्रता हो गई। उन्होंने मिलकर शतरंज खेला और उनसे उर्दू व तमिल सीखने में सहायता ली। बाद में 'पोंगला' के कप्तान से भी परिचय हुआ।

4. 'पोंगला' के कप्तान की विशेषता क्या थी?

उत्तर : 'पोंगला' के कप्तान 'प्लीमथ ब्रदर' संप्रदाय के थे। उनकी खूबी उनकी सरलता थी। वे बाइबिल की शिक्षा और धार्मिक बातें बड़ी सहजता से करते थे। उनके साथ नीति और धर्मश्रद्धा पर गहन चर्चा होती थी।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. गाँधी जी ने स्टीमर में किन भाषाओं का अभ्यास किया और उनका अनुभव क्या रहा?

उत्तर : गाँधी जी ने स्टीमर में उर्दू और तमिल दोनों भाषाओं का अभ्यास किया। उर्दू के लिए एक अंग्रेज मित्र की स्मरण-शक्ति उनसे बेहतर थी जो शब्द एक बार देख लेने पर कभी भूलता नहीं था। तमिल का अभ्यास एक तमिल शिक्षक की किताब से चलता रहा परंतु उसमें किसी की मदद नहीं मिल सकती थी। बाद में सन् 1896 के बाद दोनों भाषाओं का ज्ञान मुख्यतः जेल में ही हुआ।

2. गाँधी जी ने 'पोंगला' के कप्तान से क्या-क्या बातें कीं?

उत्तर : गाँधी जी ने कप्तान से नीति, धर्म और आध्यात्मिक विषयों पर बात की। कप्तान का मानना था कि बाइबिल की शिक्षा बच्चों का खेल है और बालक, स्त्री, पुरुष सब ईसा को मान लें तो उनके पाप धुल जाएँ। इस पर गाँधी जी को अपने अन्नाहार की भी चर्चा करनी पड़ी। दोनों के विचार मेल नहीं खाते थे परंतु वे परस्पर मित्र बन गए।

3. दक्षिण अफ्रीका की लड़ाई किसकी थी?

उत्तर : दक्षिण अफ्रीका की लड़ाई निरक्षरों की थी। वहाँ गरीब और निरक्षर भारतीय थे। गाँधी जी उन ग़रीबों की लड़ाई लड़ रहे थे। वे ग़रीब ही उनके जुझारू साथी थे।

4. आशय स्पष्ट कीजिए — 'मैं तमिल-तेलुगू नहीं सीख पाया अब शायद ही सीख पाऊँ।'

उत्तर : इस वाक्य से गाँधी जी का आशय है कि उन्होंने तमिल और तेलुगू सीखने के भरपूर प्रयास किए परंतु परिस्थितियाँ ऐसी रहीं कि पूरी तरह सीख नहीं सके। अब उम्र और व्यस्तता के कारण यह आशा लगभग छूट गई है — यह एक विनम्र आत्म-स्वीकृति है।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश-आधारित प्रश्न)

1. वार्ड किसका बना था? (यहाँ: स्टीमर में अंग्रेज की क्या विशेषता थी?)

उत्तर : स्टीमर में मिले अंग्रेज की स्मरण शक्ति बहुत तेज थी — वे जो शब्द एक बार देख लेते, उसे कभी नहीं भूलते थे।

2. लेखक को उर्दू सीखने में क्या कठिनाई थी?

उत्तर : उर्दू के अक्षर पहचानने में गाँधी जी को कठिनाई होती थी जबकि अंग्रेज मित्र की स्मरण शक्ति कहीं बेहतर थी। फिर भी लेखक अधिक मेहनत करते रहे।

3. भारत से किसको निष्कासित कर दिया गया था? (यहाँ: लेखक 'पोंगला' से कहाँ उतरा?)

उत्तर : लेखक (गाँधी जी) चौबीस दिन की यात्रा के बाद हुगली का सौंदर्य निहारते हुए कोलकाता (कलकत्ता) उतरे।

4. मित्रता और आध्यात्मिक चर्चा की जड़ में क्या था?

उत्तर : मित्रता और आध्यात्मिक चर्चा की जड़ में गाँधी जी का अन्नाहार (शाकाहार) था। इसी से धर्म, नीति और खानपान पर चर्चा शुरू हुई।

भाषा बोध

(क) एकार्थी शब्दों के अर्थ–

ऋण. → उधार/कर्ज

मूढ़. → मूर्ख

गेय. → गाने योग्य

ज्ञात. → जाना हुआ

बर्ताव. → व्यवहार

तवा. → रोटी पकाने का बर्तन

(ख) वाक्यांश के लिए एक शब्द–

जिसकी आशा न की गई हो. → अप्रत्याशित

बुद्धि से संबंधित. → बौद्धिक

जिसे टाला न जा सके. → अपरिहार्य

जो कभी नष्ट न हो. → अविनाशी

दोपहर का भोजन. → मध्याह्न-भोजन

(ग) विलोम शब्द–

साधारण → असाधारण. अनुकूल → प्रतिकूल

मित्रता → शत्रुता. निरक्षर → साक्षर

सरलता → कठिनाई. नीरस → सरस

आनंदप्रद → दुःखद. सभ्य → असभ्य

पाठ 15 – गिल्लू

<u>वस्तुनिष्ठ प्रश्न</u>

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (ii) रुई की

2. (iii) बहता

3. (ii) खुला हुआ

4. (iii) उड़ने

(ख) सही मिलान कीजिए–

1. **रुई की.** (iv) रोएँ

2. **नीले काँच की.** (i) मोतियों जैसी आँखें

3. **झब्बेदार.** (v) पूँछ

4. **पेनिसिलिन का.** (ii) पतली बत्ती

5. **स्निग्ध.** (iii) मरहम

(ग) रिक्त स्थान पूर्ति–

1. रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेनिसिलिन का मरहम लगाया।

2. गिल्लू ने बाहर जाने पर सचमुच ही मुक्ति की साँस ली।

3. काजू गिल्लू का प्रिय खाद्य था।

4. गर्मियों में मेरे पास रखी सुराही पर लेट जाता।

5. गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती।

<u>अतिलघु उत्तरीय प्रश्न</u>

1. लेखिका घायल गिल्लू को कहाँ लाई थी?

उत्तर : लेखिका (महादेवी वर्मा) घायल गिल्लू को अपने कमरे में लाई थी और उसकी देखभाल की।

2. सबको आश्चर्य क्यों होता था?

उत्तर : सबको आश्चर्य इसलिए होता था कि गिल्लू इकलौता पालतू जीव था जो लेखिका की थाली में बैठकर उनके साथ खाना खाता था।

3. गिलहरियों के झुंड का नेता कौन बनता था?

उत्तर : गिल्लू स्वयं गिलहरियों के झुंड का नेता बन जाता था।

4. लेखिका ने हीटर क्यों जलाया था?

उत्तर : सर्दियों में गिल्लू को ठंड से बचाने के लिए लेखिका ने हीटर जलाया था।

<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>

1. लेखिका को गिल्लू किस अवस्था में और कहाँ मिला था?

उत्तर : लेखिका को गिल्लू आँगन में घायल अवस्था में मिला था। कौवों ने उस पर आक्रमण करके उसे घायल कर दिया था। वह नन्हा गिलहरी का बच्चा अधमरा-सा जमीन पर पड़ा था।

2. लेखिका ने गिल्लू के रहने की क्या व्यवस्था की?

उत्तर : लेखिका ने एक फूलदान में रुई रखकर उसे गिल्लू का घोंसला बना दिया। बाद में एक छोटी-सी झूलनेवाली टोकरी बनाकर उसे कमरे की खिड़की पर लटका दिया।

3. लेखिका को चोट किस प्रकार लगी?

उत्तर : लेखिका को मोटर दुर्घटना से चोट लगी और उन्हें कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा।

4. गिल्लू के जीवन का प्रथम बसंत आने पर लेखिका ने क्या किया?

उत्तर : प्रथम बसंत में लेखिका ने गिल्लू को मुक्त करने के लिए कीलें निकालकर जाली का एक कोना खोल दिया। गिल्लू बाहर जाकर गिलहरियों के झुंड में शामिल हो गया।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न

1. लेखिका ने गिल्लू का उपचार किस प्रकार किया?

उत्तर : लेखिका ने पहले रुई से गिल्लू के घावों का रक्त साफ किया। फिर पेनिसिलिन की पतली बत्ती बनाकर उसके घावों पर मरहम लगाया। उसे एक फूलदान में रुई बिछाकर रखा और थोड़ा-थोड़ा पानी पिलाया। कई दिनों की सेवा के बाद गिल्लू ठीक हो गया।

2. लेखिका का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या-क्या करता था?

उत्तर : गिल्लू लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए उनके पैर पर आकर सर से परदे पर चढ़ जाता और फिर उतरता। यह क्रम तब तक चलता जब तक लेखिका उसे पकड़ने न उठ जाएँ।

3. लेखिका की अस्वस्थता के दौरान गिल्लू ने क्या-क्या किया?

उत्तर : जब लेखिका अस्पताल में थीं तब गिल्लू काजू न मिलने पर भोजन बंद कर देता या झूले से नीचे फेंक देता। सब उसे काजू देते परंतु अस्पताल से लौटकर जब लेखिका ने उसके झूले की सफाई की तो पाया कि उसने काजू झूले में छुपाकर रखे थे।

4. गिल्लू के जीवन का अंत किस प्रकार हुआ?

उत्तर : गिलहरियों की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती। गिल्लू का भी अंतिम समय आया। एक दिन प्रातःकाल लेखिका ने देखा कि वह अपने झूले में शांत लेटा है। उनका स्पर्श पाकर भी वह हिला नहीं। लेखिका ने उसे सोन-जुही की लता के नीचे दफनाया जहाँ प्रति वर्ष फूल खिलकर उसकी स्मृति को जीवित रखेंगे।

5. गिल्लू लेखिका के द्वारा पाले गए पशु-पक्षियों में अपवाद क्यों था?

उत्तर : लेखिका के पास अनेक पशु-पक्षी थे परंतु किसी में उनके साथ थाली में बैठकर खाने की हिम्मत नहीं थी। गिल्लू अकेला ऐसा था जो उनकी थाली में बैठकर एक-एक चावल उठाकर बड़ी सफाई से खाता था। इसीलिए वह अपवाद था।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश-आधारित प्रश्न)

1. लेखिका घायल गिल्लू को कहाँ लाई थी?

उत्तर : लेखिका घायल गिल्लू को अपने कमरे में लाई थी।

2. सबको आश्चर्य क्यों होता था?

उत्तर : क्योंकि गिल्लू लेखिका की थाली में बैठकर उनके साथ खाना खाता था — ऐसा कोई अन्य पालतू नहीं करता था।

3. गिलहरियों के झुंड का नेता कौन बनता था?

उत्तर : गिल्लू स्वयं नेता बनता था।

4. लेखिका ने हीटर क्यों जलाया था?

उत्तर : सर्दियों में गिल्लू को ठंड से बचाने के लिए।

भाषा बोध

(क) सही मिलान–

1. रुई की. (iv) रोएँ
2. नीले काँच की. (i) मोतियों जैसी आँखें
3. झब्बेदार. (v) पूँछ
4. पेनिसिलिन का. (ii) पतली बत्ती
5. स्निग्ध. (iii) मरहम

(ख) पर्यायवाची शब्द–
गिलहरी. → गिलनी, काठ-बिल्ली
आँख. → नेत्र, नयन, लोचन
जाली. → जाल, झंझरी
फूल. → पुष्प, सुमन, कुसुम
पेड़. → वृक्ष, तरु, पादप

पाठ 16 – हम पंछी उन्मुक्त गगन के

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–
1. (iii) रो
2. (iii) बहता
3. (ii) खुला हुआ
4. (iii) उड़ने

(ख) दी गई पंक्तियाँ पूरी कीजिए–
1. हम पंछी उन्मुक्त गगन के, पिंजरबद्ध न गा पाएँगे, कनक-तीलियों से टकराकर, पुलकित पंख टूट जाएँगे।
2. होती मगर कटुक निबौरी, या तो होड़ी डोरी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. पिंजरे में बंद पंछी का जीवन कैसा होता है?
उत्तर : पिंजरे में बंद पंछी का जीवन बहुत दुखद होता है। वह न तो मन से गा पाता है, न स्वतंत्र रूप से उड़ पाता है। सोने की तीलियों से भी उसका पंख टूट सकता है। उसे अपनी गति और उड़ान भूल जाने का दुःख होता है।

2. सोने की जंजीरों में बँधा पंछी क्या सपना देखता है?
उत्तर : सोने की जंजीरों में बँधा पंछी उन्मुक्त आकाश में विचरने का, स्वच्छ नदियों का जल पीने का और वृक्षों की फुनगी पर झूलने का सपना देखता है।

3. पंछी पंखों द्वारा क्या करना चाहता है?
उत्तर : पंछी पंखों द्वारा स्वतंत्र आकाश में ऊँची और लंबी उड़ान भरना चाहता है और असीम आकाश में विचरण करना चाहता है।

4. 'आश्रय छिन्न-भिन्न कर डालो' से कवि का क्या आशय है?
उत्तर : कवि का आशय है कि पंछी को बंधन से मुक्त कर दो, उसका पिंजरा तोड़ दो। आश्रय (पिंजरा/बंधन) को नष्ट करके उसे स्वतंत्र आकाश में उड़ने दो।

विस्तृत उत्तरीय प्रश्न — भावार्थ

'हम बहता जल पीने वाले, मर जाएँगे भूखे-प्यासे, कहीं भली है कटुक निबौरी, कनक-कटोरी की मैदा से।'

भावार्थ : पंछी कहते हैं कि हम स्वतंत्र रूप से बहते जल से प्यास बुझाने वाले हैं। पिंजरे में सोने के पात्र में रखी मैदा खाने से तो हम भूखे-प्यासे रहकर मर जाना पसंद करेंगे। नीम की कड़वी निबौरी खाना बेहतर है पर वह स्वतंत्रता में मिले। यह पंक्तियाँ स्वतंत्रता की सर्वोच्चता का संदेश देती हैं।

प्रत्यास्मरण (पद्यांश-आधारित प्रश्न)

1. पंछी क्या भूल गए हैं?

उत्तर : पंछी स्वर्ण-शृंखला के बंधन में अपनी गति और उड़ान भूल गए हैं।

2. पंछी क्या सपना देख रहे हैं?

उत्तर : पंछी तरु की फुनगी पर झूलने का सपना देख रहे हैं।

3. पंछी किसके बंधन में बँधे हैं?

उत्तर : पंछी स्वर्ण-शृंखला के बंधन में बँधे हैं।

4. 'स्वर्ण' शब्द का एक पर्यायवाची बताइए।

उत्तर : 'स्वर्ण' का पर्यायवाची — सोना, कनक, हेम।

भाषा बोध

(क) विशेषण व विशेष्य शब्द–

1. मैं गर्म दूध पीता हूँ।. विशेषण: गर्म, विशेष्य: दूध

2. मुझे तीन लीटर तेल दो।. विशेषण: तीन, विशेष्य: लीटर

3. सीमा बुद्धिमान लड़की है।. विशेषण: बुद्धिमान, विशेष्य: लड़की

4. काला घोड़ा घास खा रहा है।. विशेषण: काला, विशेष्य: घोड़ा

5. पुरू एक बहादुर राजा था।. विशेषण: बहादुर, विशेष्य: राजा

6. बाग़ में रंग-बिरंगे फूल खिले हैं।. विशेषण: रंग-बिरंगे, विशेष्य: फूल

पाठ 17 – कश्मीर की यात्रा

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) सही विकल्प पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

1. (i) मित्र

2. (ii) कश्मीर

3. (iii) कार से

(ख) रिक्त स्थान पूर्ति–

1. चारों मित्रों ने कश्मीर का भ्रमण किया।

2. यह डल सबसे बड़ी झील थी।

3. इस झील के किनारे चिनार हैं।

4. कश्मीर अपने फलों के लिए सारे विश्व में प्रसिद्ध है।

5. कश्मीर का पर्यटन सा हो गया है।

6. लकड़ी पर की गई नक्काशी तो कश्मीर की सर्वोत्तम कलाकारी में से एक है।

(ख) सही/गलत–

1. ✗ (कश्मीर धरती का स्वर्ग है।)

2. ✗ (कश्मीर में आम की खेती नहीं होती — सेब, बादाम, केसर आदि की होती है।)

3. ✗ (इस झील के किनारे पर लाल पर्वत नहीं — चिनार हैं।)

4. ✓ (इस पर्वत पर जगदगुरू शंकराचार्य का मंदिर है।)

5. ✓ (उन्होंने एक शिकारा किराये पर लिया।)

(घ) कश्मीर में भ्रमण करने वाले स्थानों के नाम–

1. डल झील

2. शंकराचार्य मंदिर

3. शालीमार बाग

4. निशात बाग

5. सोनमर्ग

6. गुलमर्ग

<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>

1. उन चार मित्रों के नाम बताइए जो कश्मीर की यात्रा में एक साथ थे।

उत्तर : चार मित्रों के नाम हैं — रामू, प्रकाश, उज्ज्वल और प्रेम।

2. चारों मित्रों ने कश्मीर को ही अपना पर्यटन स्थल क्यों बनाया?

उत्तर : कश्मीर को 'धरती का स्वर्ग' कहा जाता है। इसकी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता, डल झील, बाग-बगीचे, फल, शिल्पकला और पहाड़ी वातावरण की वजह से सभी ने मिलकर तय किया कि कश्मीर ही उनका पर्यटन स्थल होगा।

3. चारों मित्रों ने कश्मीर की यात्रा किस वाहन से की थी?

उत्तर : चारों मित्रों ने कश्मीर की यात्रा कार से की थी।

4. कश्मीर में प्रवेश करते ही सर्वप्रथम क्या देखा?

उत्तर : कश्मीर में प्रवेश करते ही सर्वप्रथम डल झील का विशाल और सुंदर दृश्य देखा जो बहुत मनोरम था।

<u>विस्तृत उत्तरीय प्रश्न</u>

1. कश्मीर में किन-किन वस्तुओं का निर्माण किया जाता है?

उत्तर : कश्मीर में शाल (ऊनी वस्त्र), गद्दे, गलीचे, पश्मीना शॉल, लकड़ी पर नक्काशी, टोकरियाँ, चित्रकारी और हस्तशिल्प की अनेक वस्तुएँ बनाई जाती हैं। लकड़ी पर की गई नक्काशी कश्मीर की सर्वोत्तम कलाकारी है।

2. कश्मीर के वातावरण के विषय पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर : कश्मीर का वातावरण अत्यंत मनोरम और सुखद है। यहाँ के पहाड़, हरी-भरी वादियाँ, बर्फ से ढकी चोटियाँ, साफ नदियाँ और झीलें मन को मोह लेते हैं। ग्रीष्म ऋतु में यहाँ का मौसम बहुत ठंडा और शीतल रहता है जो पर्यटकों को आकर्षित करता है।

3. विश्व भर से पर्यटक कश्मीर में क्या-क्या देखने आते हैं?

उत्तर : विश्व भर से पर्यटक कश्मीर में डल झील, शिकारा की सवारी, शालीमार और निशात बाग, शंकराचार्य मंदिर, गुलमर्ग, सोनमर्ग, केसर की खेती, सेब के बागान और कश्मीरी हस्तशिल्प देखने आते हैं।

4. कश्मीर के लोगों के रहन-सहन के विषय में आप क्या जानते हैं?

उत्तर : कश्मीर के स्त्री-पुरुष बड़े परिश्रमी होते हैं। वे धान की लहराती खेती में बड़े परिश्रम से काम करते हैं। कश्मीरी अपनी हस्तकला के लिए प्रसिद्ध हैं। शालों, गद्दों और गलीचों पर जो चित्र बनाए जाते हैं वे कला के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। टोकरियों पर कार्य करना कला का उत्कृष्ट नमूना माना जाता है।

प्रत्यास्मरण (गद्यांश-आधारित प्रश्न)

1. केसर की खेती कहाँ होती है?

उत्तर : केसर की खेती मुख्य रूप से कश्मीर में होती है।

2. कश्मीर कौन-कौन से फलों के लिए प्रसिद्ध है?

उत्तर : कश्मीर सेब, नाशपाती, चेरी, अखरोट, बादाम और खुमानी आदि फलों के लिए प्रसिद्ध है।

3. कश्मीर की कलाकारी के दो उदाहरण दीजिए।

उत्तर : कश्मीर की कलाकारी के दो उदाहरण हैं — (1) लकड़ी पर नक्काशी, (2) शालों और गलीचों पर चित्रकारी।

भाषा बोध

(क) सही शब्द पर (✓) का चिह्न–

कश्मीर. ✓

मीत्र. ✗ — सही: मित्र

सर्वप्रथम. ✓

विचार. ✓

उजवल. ✗ — सही: उज्ज्वल

नककाशी. ✗ — सही: नक्काशी

ग्रीष्म. ✓

स्विकार. ✗ — सही: स्वीकार

(ख) वाक्यों में प्रयोग–

कश्मीर. – कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है।

उज्ज्वल. – उसका भविष्य बहुत उज्ज्वल है।

नक्काशी. – कश्मीर की लकड़ी पर नक्काशी बहुत प्रसिद्ध है।

प्रस्ताव. – रामू ने कश्मीर जाने का प्रस्ताव रखा।

लुत्फ. – हम सबने यात्रा का भरपूर लुत्फ उठाया।

परिश्रम. – परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।